Email:samachar.indore@gmail.com, Website: www.indoresamachar.net

RNI No. 1533/57, Dak Reg.: MP/IDC/91/2024-2026 ***

इन्दौर समाचार के पितृपुरुष स्व. श्री सुरेश सेठजी

इन्दौर समाचार

वर्ष 87

अंक-115, इन्दौर मंगलवार 14 जुलाई 2026

पृष्ठ 12+8

मूल्य, 5 रुपए

अमेरिका ने ईरान में 140 ठिकानों पर हमले किए

तेहरान का कुवैत और बहरीन में जवाबी हमला, कहा- होर्मुज की हर हाल में हिफाजत करेंगे

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिका ने रविवार को ईरान में 140 ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए। ये हमले किश्म, सीरिक, बंदर अब्बास, जास्क, बुशेहर, खोंदाब, बंदर महशहर, बेहबहान, अंदीमेश्क, देजफुल, अहवाज, अबादान और खुर्रमशहर जैसे इलाकों में किए गए।

इसके जवाब में ईरान ने सोमवार को कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले का दावा किया। IRGC के मुताबिक, कुवैत के अली अल-सलेम एयरबेस पर ईंधन टैंक और पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम को निशाना बनाया गया। साथ ही अहमद अल-जाबेर एयरबेस के रडार सिस्टम पर भी हमला किया गया। इससे पहले IRGC ने बहरीन के शेख ईसा एयरबेस पर भी हमले का दावा किया था। संगठन के अनुसार, वहां हेलिकॉप्टर रखरखाव केंद्र, P-8 विमान के हैंगर और अमेरिकी सेना के ड्रोन कमांड एंड कंट्रोल सेंटर को निशाना बनाया गया। वहीं, ईरान के सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई के सलाहकार मोहसिन रेजाई ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट ईरान के लिए कई परमाणु बमों से भी ज्यादा अहम है। तस्नीम न्यूज एजेंसी के मुताबिक, रेजाई ने कहा कि ईरान होर्मुज की हर हाल में रक्षा करेगा।

1. ओमान के पास जहाज पर हमला,1 भारतीय लापताः 'लक्सर गैलेक्सी' जहाज पर हुए हमले में 11 भारतीय सवार थे। 10 को सुरक्षित बचा लिया गया, जबकि एक भारतीय अब भी लापता है। भारत ने हमले की निंदा करते हुए नागरिक जहाजों पर हमले तुरंत रोकने की अपील की।
2. अमेरिका बोला- ईरान के 300 ठिकानों पर हमला कियाः अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक अमेरिका ने इस सप्ताह 3 दिनों में

सैटेलाइट तस्वीरें दे रहीं गवाहीः ईरान ने यूएस बेस उड़ाए, उधर ट्रंप ने मचाई तबाही

तेहरान। ईरान और अमेरिका के बीच चल रहा तनाव अब एक बड़े संघर्ष में बदल चुका है, जिसकी गवाही सैटेलाइट तस्वीरें दे रही हैं। इन छवियों से दोनों देशों द्वारा एक-दूसरे पर किए गए हमलों से हुई व्यापक तबाही उजागर हुई है। ये कम रिजोल्यूशन वाली तस्वीरें भले ही सीधे तौर पर हर छोटे नुकसान को न दिखाएं, लेकिन ये स्पष्ट करती हैं कि दोनों पक्षों को काफी क्षति हुई है, जिसे अक्सर आधिकारिक बयानों में कम करके आंका जाता है। ईरान ने खाड़ी क्षेत्र में कई अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया।

दतिया में कांग्रेस पर गरजे सीएम मोहन यादव

कांग्रेसी मुंह छिपाते फिर रहे

भोपाल। मध्य प्रदेश की दतिया विधानसभा उपचुनाव के नामांकन दाखिल करने का आज अंतिम दिन है। सोमवार को भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी ने भी पर्चा दाखिल कर दिया है। इस दौरान सीएम मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा भी साथ थे।

मंच पर भाषण देते समय सीएम मोहन यादव ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सोमवार को दतिया में उप-चुनाव के मद्देनजर हुंकार भरी। उन्होंने पहले वहां से भाजपा के प्रत्याशी आशुतोष तिवारी का नामांकन भरवाया, उसके बाद जनसभा और कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा आज का यह अभियान विजय अभियान है। हमारी पार्टी के लिए यह चुनाव राजा और रंक का है। कांग्रेस और उसकी मानसिकता जमीन पर टिकने वाली नहीं होती।

उन्हें जमीन का होश नहीं और सारा आसमान खरीदने की बात करते हैं। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी लगातार आगे बढ़ रही है। देश के 80 फीसदी हिस्से से कांग्रेस लापता हो चुकी है। भाजपा के आगे कांग्रेस का अता-पता नहीं लगता। लेकिन, रस्सी जल गई पर बल नहीं गया। मंच से सीएम मोहन यादव ने कहा कि ये मुस्लिम, ये ईसाई.. अलग-अलग कानून क्यों होना चाहिए। अगर रामचंद्र एक शादी करेगा तो दूसरा चार क्यों करना चाहिए। एक समान कानून की बात होगी। कांग्रेस इससे मुंह छिपा रहे हैं। बाकि सारी बात कर रहे हैं, लेकिन कॉमन सिविल कोड पर बोलने को तैयार नहीं। आपकी 55 साल सरकार रही, क्या तीर मार लिया। कोई तीर नहीं मारा।

ऐतिहासिक! भारत ने लॉर्ड्स में इंग्लैंड को बुरी तरह हराया।

नेपाल में सड़कों पर उतरकर जेन-जी कर रहे शाह के फैसले का विरोध

काठमांडु। नेपाल में जेन-जी प्रोटेस्ट के माध्यम से सत्ता में आए प्रधानमंत्री बालेन शाह को अब उन्हीं युवाओं के विरोध का सामना करना पड़ रहा है, जिन्होंने उन्हें शीर्ष पद तक पहुंचाया था। भूमिहीन झुग्गीवासियों के लिए वैकल्पिक पुनर्वास की व्यवस्था किए बिना उन्हें हटाने के सरकार के फैसले के विरोध में रविवार को सैकड़ों लोगों ने काठमांडू में सिंहदरबार सचिवालय के सामने स्थित मैतीघर मंडला में प्रदर्शन किया। संयुक्त राष्ट्रीय भूमिहीन मोर्चा के आह्वान पर हुए इस प्रदर्शन में प्रदर्शनकारी गरीबों पर अत्याचार बंद करो, मानवाधिकारों का सम्मान करो, अवैध गिरफ्तारियां बंद करो और भूमिहीन झुग्गीवासियों को आश्रय दो जैसे नारे लिखी तख्तियां हाथों में लिए हुए थे।

पहाड़ों पर बारिश से तबाही

उत्तराखंड में भूस्खलन से 100 सड़कें बंद, हिमाचल में 120 से अधिक रोड प्रभावित; अलर्ट

देहरादून (एजेंसी)। पहाड़ों में मानसूनी बारिश का कहर देखने को मिल रहा है। उत्तराखंड में भारी बारिश से कई जगह भूस्खलन हुआ है। बारिश से 100 से अधिक सड़कें बंद हो गई हैं।

वहीं, हिमाचल प्रदेश में भी शिमला समेत कई जिलों में बारिश हुई है। रोहतांग में बर्फ गिरी है। दो नेशनल हाईवे और 120 से ज्यादा सड़कें बंद हुईं।

देश के कई हिस्सों में रविवार को मानसून की बारिश जारी रही। जम्मू-कश्मीर में बादल फटा, हिमाचल प्रदेश में आंधी-तूफान के साथ बारिश हुई। इसके अलावा उत्तराखंड में भूस्खलन और बारिश से सैकड़ों सड़कें बंद हो गईं। उत्तराखंड सबसे अधिक प्रभावित हुआ, जहां कई जिलों में भूस्खलन, सड़कें बंद होने, नदियों का जलस्तर बढ़ने और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है। मौसम विभाग (आईएमडी) ने हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर और उत्तराखंड में अगले 24 घंटे में भारी बारिश, भूस्खलन और अचानक बाढ़ का खतरा जताते हुए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

मानसून को सक्रिय रखने वाला सिस्टम कमजोर पड़ा

मौसम विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, देश के 70% हिस्से से मानसून के बादल गायब होने के पीछे सबसे बड़ी वजह मानसून को सक्रिय रखने वाले सिस्टम का कमजोर पड़ना है। 9 जुलाई के बाद बंगाल की खाड़ी में कोई नया मजबूत लो-प्रेशर सिस्टम नहीं बना, जिससे मानसूनी हवाओं को पर्याप्त नमी नहीं मिल सकी। इसके साथ ही मानसून ट्रफ भी अपनी सामान्य स्थिति से उत्तर की ओर खिसक गई है।

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो डंपर में घुसी, 5 की मौत

बालोतरा (एजेंसी)। बालोतरा में भीषण सड़क हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। 3 लोग गंभीर घायल हैं। तेज रफ्तार स्कॉर्पियो आगे चल रहे डंपर से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कॉर्पियो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। गाड़ी के अंदर घायल तड़प रहे थे। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग पहुंचे और घायलों को निकाला। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। सभी घायलों को राजकीय नाहटा अस्पताल, बालोतरा पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने 3 लोगों को मृत घोषित कर दिया।

5 घायल जोधपुर रेफर

हादसे में रेवांताराम, स्वरूपाराम , भरत की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल किशन,भावेश,बाबू, मुकेश और हेमाराम को प्राथमिक उपचार के बाद जोधपुर रेफर कर दिया गया। जहां इलाज के दौरान किशन और भावेश ने दम तोड़ दिया।

दुर्घटना में तीन महिला श्रद्धालुओं की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र के पुणे जिले में वारकरियों (भगवान विट्ठल के भक्तों) की जुलूस यात्रा जारी है। इस दौरान एक ट्रक ने टक्कर मार दी, जिससे तीन महिलाओं की मौत हो गई। वहीं, सात अन्य लोग घायल हो गए। यह दुर्घटना ससवाड-जेजुरी सड़क पर हुई। पुणे ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक संदीप सिंह गिल ने बताया कि नांदेड़ जिले के लोहा से रंगनाथ महाराज के दिंडी (तीर्थयात्रियों के समूह) से संबंधित एक ट्रक ने सांगली जिले के कसबेदिगराज के दिंडी के वारकरियों के एक समूह को बेलसर टोल नाका से लगभग 500 मीटर की दूरी पर जेजुरी की ओर टक्कर मार दी।

बैंकॉक के बार में आग, 27 मौतें

पार्टी कर रहे 60 से ज्यादा लोग घायल; जान बचाने के लिए लोग टॉयलेट में छिपे

बैंकॉक (एजेंसी)। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में रविवार देर रात एक बार में आग लगने से 27 लोगों की मौत हो गई, जबकि 63 लोग घायल हो गए। थाई अधिकारियों के मुताबिक आग लगने की वजह बिजली के सिस्टम में खराबी हो सकती है।

सभी घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। आग लगने की वजह की जांच अभी जारी है। फायर ब्रिगेड डिपार्टमेंट ने कहा कि उन्हें रात 12 बजे आग लगने की सूचना मिली। करीब 30 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया, लेकिन तब तक इमारत का बड़ा हिस्सा जल चुका था। घटनास्थल पर मौजूद एक म्यूजीशियन ने बताया कि बिजली जाने से कुछ देर पहले मंच के पास लगे सर्किट ब्रेकर से धुआं निकलता दिखाई दिया था।

वियतनाम में 15 भारतीयों की मौत के बाद बोट-कैप्टन गिरफ्तार

वियतनाम (एजेंसी)। वियतनाम में शनिवार को भारतीय पर्यटकों से भरी स्पीडबोट पलटने से 15 भारतीयों की मौत के बाद स्पीडबोट कैप्टन को गिरफ्तार कर लिया गया है। उस पर केस दर्ज किया गया है। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह भारतीय टूरिस्ट 'लावा मोबाइल' के चैनल पार्टनर और कर्मचारी थे। सभी कंपनी के टॉप परफॉर्मिंग डिस्ट्रीब्यूटर्स के लिए आयोजित रिवॉर्ड ट्रिप पर वियतनाम गए थे।

बदरीनाथ मंदिर चढ़ावा हेराफेरी मामला :

आरोपी कर्मचारी प्रमोद नौटियाल गिरफ्तार

चमोली (एजेंसी)। बदरीनाथ धाम में श्रद्धालुओं के चढ़ावे से जुड़ी कथित वित्तीय अनियमितताओं के मामले में पुलिस आरोपी तक पहुंच गई है। लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी कर्मचारी प्रमोद नौटियाल को देहरादून से गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर मामले की जांच को आगे बढ़ा रही है। बदरीनाथ धाम मंदिर में श्रद्धालुओं के चढ़ावे में कथित हेराफेरी के मामले में फरार चल रहे आरोपी कर्मचारी प्रमोद नौटियाल को पुलिस ने रविवार देर रात करीब 11 बजे देहरादून से गिरफ्तार कर लिया।

विशेष संपादकीय

अरुणाचल प्रदेश के नाह आदिवासियों की जमीन पर चीन का कब्जा

स्नेहा सिंह नोएडा-मो- 8368681336

सीमावर्ती इलाकों में चीन लगातार निर्माण कार्य कर रहा है। पहले भी यह दावा किया जा चुका है कि उसने छोटे-छोटे गांव बसाकर उन्हें अपने सैनिकों के ठिकानों में बदल दिया है। 'जहां हमारे पूर्वज रहते थे, वह जमीन अब हमारे पास नहीं रही। हम सदियों से इस इलाके में रहते आए हैं। जहां हम बिना किसी रोक-टोक के अपने मवेशी चराने जाते थे, वहां अब जाने से पहले दो बार सोचना पड़ता है। जंगलों से हम अपनी जरूरत की चीजें लाते थे, लेकिन अब वहां नहीं जा सकते। जिन जंगलों में हमारे कबीले की महिलाएं खाना बनाने के लिए ईंधन लेने जाती थीं, वहां भी अब उनका जाना संभव नहीं है। हमारी इस जमीन पर चीनियों ने कब्जा कर लिया है। '

ऐसी शिकायत अरुणाचल प्रदेश की नाह जनजाति ने भारत सरकार से की है। नाह जनजाति ने सनसनीखेज दावा किया है कि चीन ने पांच स्थानों पर कब्जा कर लिया है। ये सभी स्थान उनके गांवों और पशु चराने के क्षेत्र हैं। ये इलाके अरुणाचल प्रदेश के अपर सुबनसिरी जिले के ताक्सिंग क्षेत्र में स्थित हैं और राजस्व सर्किल के अंतर्गत आते हैं।

नाह वेलफेयर सोसायटी ने एक ज्ञापन देकर कहा कि यह पूरा क्षेत्र उनके पूर्वजों की भूमि है, लेकिन अब चीन के कब्जे के कारण उनका वहां आना-जाना कठिन हो गया है। इनमें से कई इलाके दुर्गम जंगल हैं। वे जंगलों की उपज से अपना जीवन-यापन करते थे, लेकिन अब चीनी सेना रोज थोड़ा-थोड़ा क्षेत्र अपने कब्जे में लेती जा रही है, इसलिए उन्हें वहां जाने नहीं दिया जाता।

अरुणाचल प्रदेश के अपर सुबनसिरी के डिप्टी कमिश्नर को नाह वेलफेयर सोसायटी द्वारा ज्ञापन सौंपे जाने के बाद एक बार फिर चीन के सीमा अवसंरचना (बॉर्डर इंफ्रास्ट्रक्चर) की चर्चा तेज हो गई है। संगठन के अध्यक्ष केरू चादेर ने अपने ज्ञापन में कहा कि पिछले 10-15 वर्षों से चीन ने पहाड़ी क्षेत्रों में अपनी गतिविधियां बढ़ाई थीं, लेकिन 2020 के बाद उसने तेज गति से पूरे इलाके पर कब्जा करना शुरू कर दिया। ज्ञापन में यह भी दावा किया गया कि चीनी सेना ने भारतीय सीमा के भीतर सड़कें बना दी हैं।

इस ज्ञापन के बाद किरण रिजिजू ने कहा कि ये रिपोर्टें भ्रामक हैं और भारतीय सीमा में ऐसी कोई घुसपैठ नहीं हुई है। उन्होंने नाह जनजाति के दावों पर सीधे टिप्पणी नहीं की, लेकिन इतना कहा कि सीमा पूरी तरह निर्धारित न होने के कारण दोनों पक्षों द्वारा सीमा का उल्लंघन होता रहता है। भारतीय सेना ने भी इन दावों का खंडन किया, लेकिन स्थानीय लोग वर्षों से ऐसे आरोप लगाते रहे हैं। इससे पहले लद्दाख में भी स्थानीय लोगों ने दावा किया था कि चीन ने भारतीय सीमा के कुछ हिस्सों पर कब्जा कर लिया है, जबकि सरकार ने इन दावों को नकार दिया था। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी समय-समय पर ऐसे आरोप लगाते रहे हैं और केंद्र सरकार उनका खंडन करती रही है। डोकलाम विवाद के बाद भी कई रिपोर्टों में यह दावा किया गया कि कुछ क्षेत्रों में चीन की घुसपैठ स्थायी रूप ले चुकी है। **(शेष पृष्ठ 9 पर)**